



सत्यमेव जयते

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 197/  
No. 197

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 23, 2004/वैशाख 3, 1926  
NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 23, 2004/VAISAKHA 3, 1926

प्रभारी

पं० वि० ए०

पोत परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 2004

सा.का.नि. 281(अ).—केन्द्र सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तूतुकुडि पत्तन के न्यासी मंडल द्वारा बनाए गए और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में दर्शित तूतुकुडि पत्तन न्यास कर्मचारी (भर्ती, वरिष्ठता एवं पदोन्नति) संशोधन विनियम, 2004 का अनुमोदन करती है।

2. ये विनियम इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

अनुसूची

तूतुकुडि पत्तन न्यास

तूतुकुडि पत्तन न्यास कर्मचारी (भर्ती, वरिष्ठता और पदोन्नति) संशोधन विनियम, 2004

महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, धारा 124 के अधीन, तूतुकुडि पत्तन के न्यासी बोर्ड, तूतुकुडि पत्तन न्यास कर्मचारी (भर्ती, वरिष्ठता एवं पदोन्नति) विनियम 1979 को आगे संशोधन करने हेतु निम्नलिखित विनियम बनाते हैं:—

- (1) (i) ये विनियम, तूतुकुडि पत्तन न्यास कर्मचारी (भर्ती, वरिष्ठता एवं पदोन्नति) संशोधन विनियम, 2004 कहे जाएंगे।
- (ii) ये भारत के राजपत्र में प्रकाशन होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

- (2) तूतुकुडि पत्तन न्यास कर्मचारी (भर्ती, वरिष्ठता एवं पदोन्नति) विनियम, 1979 के विनियम 9 के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जानी चाहिए, अर्थात्:—

9. परिवीक्षा पर कर्मचारी का प्रमाणीकरण:—

(1) सामान्य:

- (i) कर्मचारी की सेवा काल में सिर्फ एक ही बार, प्रमाणीकरण किया जाएगा, जो कि एन्ट्रीग्रेड में होगा।
- (ii) ग्रेड में स्थायी रिक्ति की उपलब्धता से प्रमाणीकरण के संबंध को अलग किया जाता है। दूसरे शब्दों में, एक अधिकारी, जिसने परिवीक्षा को सफलरूप से पूरा किया है, को प्रमाणीकरण के लिए विचार किया जाएगा।

(2) ग्रेड, जिसमें आरंभ में भर्ती की गयी, में प्रमाणीकरण:

- (i) अद्यतन के अनुसार, नियुक्ति को परिवीक्षा सफलतापूर्वक पूरा करना चाहिए।
- (ii) मामले को डी पी सी (प्रमाणीकरण के लिए) के समक्ष रखा जाएगा।
- (iii) सभी दिशाओं से मामले को ठीक समझे जाने पर प्रमाणीकरण के लिए एक विशेष आदेश जारी किया जाएगा।

(3) परिवीक्षा पर:

- (i) अगर भर्ती नियम, कोई भी परिवीक्षा निर्धारित नहीं करती तो अधिकारी को नियमित आधार पर पदोन्नति होने पर (निर्धारित डी पी सी, कार्य प्रक्रिया आदि के अनुसरण के बाद) सभी लाभ प्राप्त होंगे जो कि एक व्यक्ति द्वारा उस ग्रेड पर प्रमाणीकरण होने के बाद प्राप्त होगा।
- (ii) जहाँ परिवीक्षा निर्धारित हैं, नियोक्ता प्राधिकारी खुद, परिवीक्षा की निर्धारित अवधि पूरी होने पर, अधिकारी के काम एवं आचरण का अवलोकन करेंगे और अगर अंतिम

निर्णय यह है कि अधिकारी उच्च ग्रेड को सम्हालने के लिए उपयुक्त हैं, तो वे एक आदेश जारी करते हुए यह घोषित करेंगे कि संबंधित व्यक्ति ने परीक्षा सफलतापूर्वक पूरी की है। अगर अधिकारी का काम संतोषजनक नहीं पाया गया या कुछ और समय के लिए निगरानी करने की आवश्यकता है तो वे, उन्हें उनके पदोन्नति पद या ग्रेड से प्रत्यावर्तन कर सकते हैं या परीक्षा की अवधि बढ़ा सकते हैं, जैसी स्थिति हो।

जैसे कि पदोन्नति पर कर्मचारी द्वारा परीक्षा सफलतापूर्वक पूरा किये जाने की घोषणा होने से पूर्व, प्रमाणीकरण नहीं होगा, क्योंकि उनके कार्य निष्पादन को सख्ती से परखा जाएगा और उस व्यक्ति को, उनके पदोन्नति पद या ग्रेड से प्रत्यावर्तन करने में कोई झिझक नहीं होनी चाहिए अगर परीक्षा के दौरान अधिकारी के काम को असंतुष्ट पाया गया है।

#### (4) परीक्षार्थी का पुष्टीकरण :

व्यक्ति को, जिसे सीधी भर्ती से स्थायी पद पर, परीक्षा की निर्धारित शर्तों के साथ नियुक्ति दी जाती है, परीक्षा की अवधि सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से ही ग्रेड में पुष्टि की जानी है। उनको पुष्टि किये जाने या उनकी परीक्षा को बढ़ाये जाने का निर्णय, प्रारंभिक परीक्षा अवधि समाप्त होते ही तुरंत की जानी है, अर्थात् सामान्यतः 6 से 8 हफ्ते के अंदर और बढ़ाने के मामले में कारणों सहित कर्मचारी को सूचित किया जाना है। जैसा कि, व्यक्ति, जिन्हें, स्थायी पद पर परीक्षा की निर्धारित शर्तों के साथ नियुक्ति दी जाती है, को, परीक्षा की अवधि सफलतापूर्वक समाप्त करने की तारीख से, ग्रेड में पुष्टि की जाने के लिए, डी पी सी की बैठक, सीधी भर्ती की परीक्षा को अर्वाध समाप्त होने के बाद, संपन्न हो सकती है। परीक्षार्थी, जो संतुष्टि रूप से प्रगति नहीं दिखाते हैं, को, मूल परीक्षा की अवधि समाप्त होने से पूर्व उनकी कमियों को उन्हें सूचित किया जाना है ताकि वे अपने आप को सुधारने हेतु ठोस प्रयास कर सकें।

परीक्षा के मामले में, डी पी सी को, अधिकारी से संबंधित ग्रेडिंग को निश्चित नहीं करना है अपितु सिर्फ यही निर्णय लेना कि क्या उन्होंने परीक्षा की अवधि संतोषजनक रूप से पूरा किया है या नहीं। अगर, किसी भी परीक्षार्थी का कार्य निष्पादन संतोषजनक नहीं है तो, डी पी सी यह सलाह दे सकता है कि क्या उनकी परीक्षा अवधि को बढ़ायी जाए या उन्हें सेवा से निरस्त किया जाए।

[फा. सं. पी. आर.-12016/36/97-पी.ई.-1]

आर. के. जैन, संयुक्त सचिव

**पाद टिप्पणी :**—भारत के राजपत्र, असाधारण सा.का.नि.सं. 234(अ), दिनांक 16 मार्च, 1979 को तूतुक्कुडि पत्तन न्यास कर्मचारी (भर्ती वरिष्ठता एवं पदोन्नति) विनियम, 1979, प्रकाशित और तदनुसार संशोधित किये गये थे :—

- (i) सा.का.नि. 549(अ), दिनांक 30 जुलाई, 1984
- (ii) सा.का.नि. 808(अ), दिनांक 21 सितंबर, 1987
- (iii) सा.का.नि. 848(अ), दिनांक 20 सितंबर, 1989
- (iv) सा.का.नि. 1062(अ), दिनांक 22 दिसंबर, 1989
- (v) सा.का.नि. 486(अ), दिनांक 11 मई, 1992
- (vi) सा.का.नि. 648(अ), दिनांक 29 जून, 1992

- (vii) सा.का.नि. 60(अ), दिनांक 10 फरवरी, 1993
- (viii) सा.का.नि. 366(अ), दिनांक 30 मार्च, 1993
- (ix) सा.का.नि. 818(अ), दिनांक 17 नवंबर, 1994
- (x) सा.का.नि. 834(अ), दिनांक 2 दिसंबर, 1994
- (xi) सा.का.नि. 422(अ), दिनांक 26 मई, 1995
- (xii) सा.का.नि. 157(अ), दिनांक 19 मार्च, 1997
- (xiii) सा.का.नि. 163(अ), दिनांक 19 मार्च, 1997
- (xiv) सा.का.नि. 312(अ), दिनांक 5 जून, 1997
- (xv) सा.का.नि. 372(अ), दिनांक 8 जुलाई, 1997
- (xvi) सा.का.नि. 132(अ), दिनांक 10 मार्च, 1998
- (xvii) सा.का.नि. 589(अ), दिनांक 22 सितंबर, 1998

### MINISTRY OF SHIPPING

(PORTS WING)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd April, 2004

**G.S.R. 281(E).**—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 124, read with Sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Tuticorin Port Trust Employees (Recruitment, Seniority & Promotion) Amendment Regulations, 2004 made by the Board of Trustees of Tuticorin Port Trust as set out in the Schedule annexed to this Notification.

The said regulations shall come into force from the date of publication of this Notification in the Official Gazette.

### SCHEDULE

#### TUTICORIN PORT TRUST

#### TUTICORIN PORT TRUST EMPLOYEES (RECRUITMENT, SENIORITY AND PROMOTION) AMENDMENT REGULATIONS, 2004

In exercise of powers conferred by Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963, (38 of 1963), the Board of Trustees of the Tuticorin Port hereby makes the following Regulations further to amend the Tuticorin Port Trust Employees (Recruitment, Seniority and Promotion) Regulations, 1979, under Section 124, *ibid*, namely :—

- (1) (i) These Regulations may be called the Tuticorin Port Trust Employees (Recruitment, Seniority and Promotion) Amendment Regulations, 2004;
- (ii) They shall come into force with effect from the date of publication in the Gazette of India.
- (2) For regulation 9 of Tuticorin Port Trust Employees (Recruitment, Seniority and Promotion) Regulations, 1979, the following shall be substituted, namely :—

**9. Confirmation of employees on probation****(1) General**

(i) Confirmation will be made only once in the service of an employee which will be in the entry grade.

(ii) Confirmation is delinked from the availability of permanent vacancy in the grade. In other words an officer who has successfully completed the probation may be considered for confirmation.

**(2) Confirmation in the grade to which initially recruited**

(i) As at present, the appointee should satisfactorily complete the probation.

(ii) The case will be placed before DPC (for confirmation).

(iii) A Specific order of confirmation will be issued when the case is cleared from all angles.

**(3) On Promotion**

(i) If the recruitment rules do not prescribe any probation, an officer promoted on regular basis (after following the prescribed DPC, etc., procedure) will have all the benefits that the persons confirmed in that grade would have.

(ii) Where probation is prescribed, the appointing authority will on completion of the prescribed period of probation assess the work and conduct of the officer himself and in case the conclusion is that the officer is fit to hold the higher grade, he will pass an order declaring that the person concerned has successfully completed the probation. If, work of the officer has not been satisfactory or needs to be watched for some more time, he may revert him to the post or grade from which he was promoted, or extend the period of probation as the case may be.

Since there will be no confirmation on promotion before an official is declared to have completed the probation satisfactorily, a rigorous screening of his performance should be made and there should be no hesitation to revert a person to the post or grade from which he was promoted if the work of the officer during probation has not been satisfactory.

**(4) Confirmation of probationers**

A persons appointed against a permanent post as a direct recruit with definite conditions of probation is to be confirmed in the grade with effect from the date on which he successfully completes the period of probation. The decision whether he should be confirmed or his probation extended should be taken soon after the expiry of the initial probationary period, i.e., ordinarily within 6 to 8

weeks and communicated to the employee together with the reasons in case of extension. Even though the meetings of the DPC may be held after the termination of the period of probation of direct recruits, a person appointed against a permanent post with definite conditions of probation is to be confirmed in the grade with effect from the date on which he successfully completes the period of probation. A probationer who is not making satisfactory progress or who shows himself to be inadequate for the service should be informed of his shortcomings well before the expiry of the original probationary period so that he can make severe efforts at self-improvement.

In the case of probation, the DPC should not determine the relative grading of officers but only decide whether they should be declared to have completed the probation satisfactorily. If the performance of any probationer is not satisfactory, the DPC may advise whether the period of probation should be extended or whether he should be discharged from service.

[F.No. PR-12016/36/97-PE-I]

R.K. JAIN, Jt. Secy.

**Foot Note :—**The Tuticorin Port Trust Employees (Recruitment, Seniority and Promotion) Regulations, 1979 were published in the Gazette of India, Extraordinary, *Vide* G.S.R. No 234(E) dated the 16th March, 1979, and subsequently amended *Vide* :—

- (i) G.S.R. 549 (E), dated the 30th July, 1984.
- (ii) G.S.R. 808 (E), dated the 21st September, 1987.
- (iii) G.S.R. 848 (E), dated the 20th September, 1989.
- (iv) G.S.R. 1062 (E), dated the 22nd December, 1989.
- (v) G.S.R. 486 (E), dated the 11th May, 1992.
- (vi) G.S.R. 648 (E), dated the 29th June, 1992.
- (vii) G.S.R. 60 (E), dated the 10th February, 1993.
- (viii) G.S.R. 366 (E), dated the 30th March, 1993.
- (ix) G.S.R. 818 (E), dated the 17th November, 1994.
- (x) G.S.R. 834 (E), dated the 2nd December, 1994.
- (xi) G.S.R. 422 (E), dated the 26th May, 1995.
- (xii) G.S.R. 157 (E), dated the 19th March, 1997.
- (xiii) G.S.R. 163 (E), dated the 19th March, 1997.
- (xiv) G.S.R. 312 (E), dated the 5th June, 1997.
- (xv) G.S.R. 372 (E), dated the 8th July, 1997.
- (xvi) G.S.R. 132 (E), dated the 10th March, 1998.
- (xvii) G.S.R. 589 (E), dated the 22nd September, 1998.